यूरेनस के दो गोलार्ध अलग-अलग घूमते हैं

यूरेनस हमारे सौर मंडल का सातवां ग्रह है अर्थात यह बाहर से दूसरे नंबर पर है। बृहस्पति, शनि तथा नेप्चून के समान यूरेनस भी गैसों से बना ग्रह है। इसके बारे में 28 साल पहले एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चला है कि इसका वायुमंडल थोड़ा अजीब व्यवहार करता है।

दरअसल यूरेनस के पास से आज तक एक ही सेटेलाइट गुज़रा है - वोयेजर-2 जो 1986 में इसके पास से होकर निकला था। जब एरिज़ोना विश्वविद्यालय के ग्रह वैज्ञानिक एरिक कार्कोश्का ने उस समय वोयेजर-2 द्वारा खींची गई तस्वीरों को नई प्रोसेसिंग तकनीक की मदद से देखा तो वे दंग रह गए। मसलन, जिस क्षेत्र को एकदम सपाट माना जाता है वहां कार्कोश्का को कई संरचनाएं नज़र आईं। इन संरचनाओं के घूर्णन की गति का विश्लेषण किया तो पता चला कि दक्षिण गोलार्ध पर कुछ अक्षांश उत्तरी गोलार्ध के उतने ही अक्षांश के मुकाबले 15 प्रतिशत ज़्यादा गति से घूमते हैं। अन्य गैसीय ग्रहों में ऐसा नहीं देखा गया है।

यूरेनस के दक्षिणी ध्रुव पर एक ऐसा स्थल भी है जो ग्रह के अंदरुनी हिस्सों के मुकाबले ज़्यादा तेज़ी से घूमता है। कार्कोश्का ने ये आश्चर्यजनक निष्कर्ष अमेरिकन एस्ट्रॉनॉमिकल सोसायटी के ग्रह विज्ञान विभाग की एक बैठक में प्रस्तुत किए। ***(स्रोत फीचर्स)***